

DPN 7005

सारदास्तोत्र SĀRADĀ STOTRA

Title :

Run. No. 7230

Cat. No.

Micro. No.

Subject स्तोत्र Hymn

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 25.4 x 8.7

Folios 1

Lines (in a page) 6

Compl. / Incompl.

Chapt. / act / Stanzas 1-8

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thiyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

↓
श्री गणेशाय नमः ॥ ॥ इन्द्रादि देव तत्र वेदित वाद पद्मे ह्रींशा (सा) सन्नि वि ए (न) यनि
शुभ मंगलाय कस्तुरी कुंकुम शुभगिति देह देवी ले सादा सखल

षतवमभयसारदासेपातालमर्त्यत्रिदशालगपीतनाति॥मंवादिवाकशर्माजिदगीपर्व
यंतुतेसा॥५॥संसारसारवचना॥संसारसारवचना॥संसारसारवचना॥यह
क्षामनोरधतवाचसिद्धियंतुतेसा॥६॥कथंयुक्तंयुक्तंयुक्तंयुक्तंयुक्तंयुक्तं
सकलचंदनचर्चितानि॥नित्यंनमामीसिरसातवमेवभावतेसा॥७॥खद्यक्तमनः
वभेदितमंत्रराजोसर्वाधसाधकजनास्यगतिस्त्वमेका॥त्वंज्ञानरासःभवदुःखविनाश
कारीतेसारदासकलसिद्धिददानमामि॥८॥इतिश्रीसारदास्तोत्रसमाप्तम्॥शुभम्

श्रीसारदा
॥१॥

श्लो५

सिद्धि ददातु मामि ॥९॥

समाप्ति / Colophon

इति सारदा एतेन समाप्त ॥१०॥

श्रीगणेशायनमः॥ ३ ॥ श्रीदेवतवर्षदिनपादमे हंशासनित्रिणयनिभुभर्मगलाय॥ क
सुरिर्कुंभमभुभासितदेहदेवीनेसारदासकैसिद्धिदयान्नमामि॥ १ ॥ हेमालयविमलसंद
स्थितवालरूपिनेपालमंदलवरोत्तमतारुणीयं॥ श्रीकारुचिचतुवनेश्वरीवृद्धरूपी
नेसार॥ २ ॥ वेदांतनादगुणसर्वप्रकाशिदेवीवाग्देवतित्रिभुवनेश्वरीवैश्वर्या॥ सा
वेणुभंसकलपुस्तकत्र्यक्षमालातेसा॥ ३ ॥ रूपातिरम्यशशिपूर्याकलास्वरूपीवाणि
मनोहरसुरारिनपियूषांच॥ नीलोत्परांनयनवीदुरतास्यज्योतिर्नेता॥ ४ ॥ संपूर्णकै